जनगणना 2027: संपूर्ण मार्गदर्शिका

भारत की पहली डिजिटल जनगणना - e-gyansetu.com विशेष लेख

1. परिचय और जनगणना का स्वरूप

जनगणना 2027 भारत की 16वीं और आजादी के बाद की 8वीं जनगणना है। कोविड-19 के कारण 2021 में टली यह जनगणना अब 2027 में होने जा रही है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका **पूर्णतः डिजिटल** होना है।

> **मुख्य बदलाव:** कागज के बजाय मोबाइल ऐप का उपयोग, सेल्फ-इन्यूमेशन (स्व-गणना) की सुविधा, और रीयल-टाइम डेटा मॉनिटरिंग।

2. समय-सीमा और प्रमुख चरण

प्रथम चरण: मकान सूचीकरण (अप्रैल 2027 - सितंबर 2027)

- मकानों की गिनती और उनकी स्थिति का आकलन।
- परिवारों के पास उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं (पानी, बिजली, शौचालय) का डेटा।

द्वितीय चरण: जनसंख्या गणना (फरवरी 2028 - मार्च 2028)

- प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तिगत विवरण (नाम, आयु, धर्म, शिक्षा)।
- प्रवास (Migration) और प्रजनन क्षमता से संबंधित आंकड़े।

3. जनगणना 2027 के महत्वपूर्ण आयाम

जाति आधारित गणना (Caste Census): 1931 के बाद पहली बार ओबीसी और अन्य जातियों का विस्तृत डेटा जुटाया जाएगा।

राजनीतिक प्रभाव: इसी डेटा के आधार पर आगामी **परिसीमन (Delimitation)** होगा जिससे लोकसभा सीटों की संख्या बदल सकती है। साथ ही, **महिला आरक्षण** को लागू करने के लिए यह जनगणना आधार बनेगी।

4. मकानसूचीकरण के 32 महत्वपूर्ण प्रश्न

श्रेणी	प्रश्नों का विवरण
मकान	मकान नंबर, उपयोग, छत/दीवार/फर्श की सामग्री, स्थिति।
परिवार	मुखिया का नाम, लिंग, जाति (SC/ST/OBC/Gen), स्वामित्व।
सुविधाएं	कमरों की संख्या, पेयजल स्रोत, रोशनी का साधन, शौचालय, रसोई।
संपत्ति	रेडियो, टीवी, इंटरनेट, लैपटॉप, वाहन (साइकिल/कार), बैंक खाता।

5. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

प्रश्न: क्या आधार कार्ड देना अनिवार्य है?
उत्तर: नहीं, यह पूर्णतः स्वैच्छिक है।

प्रश्न: क्या हम खुद ऑनलाइन जानकारी भर सकते हैं?
उत्तर: हाँ, स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से नागरिक स्वयं विवरण भर सकेंगे।

प्रश्न: जनगणना कर्मी कौन होगा?
उत्तर: आमतौर पर सरकारी शिक्षक और स्थानीय निकाय कर्मचारी।

© 2026 e-gyansetu.com | शिक्षा और सफलता की ओर एक कदम

यह पीडीएफ शैक्षिक उपयोग और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार की गई है।